Sebastian
A BOOK ABOUT BACH
Jeanette Winter
बहुत पहले की बात है – संगीतज्ञों के परिवार में सेबेस्टियन नाम के लड़के का जन्म हुआ. बड़े होकर वो स्कूल गया जिससे की वो संगीत के बारे में और जान प्राप्त कर सके. उसे हर जगह संगीत सुनाई पड़ता था, खासकर अपने दिमाग में. उसे जो कुछ भी सुनाई पड़ता वो तुरंत उसे लिख डालता था.

सेबेस्टियन ने बड़े होकर शादी की और परिवार बसाया. उसके 20 बच्चे हुए! उसने 1000 से ज्यादा संगीत की धुन रची. अपनी पत्नी एना मगदलेना के लिए उसने संगीत की एक छोटी किताब रची जिससे शाम के समय पूरा परिवार सामूहिक संगीत रच सके.

अपने पूरे जीवनकाल में जोहान्न हल्लम ने बहुत बहुत शादी कबी भी अपने घर से बहुत दूर नहीं गया. वो हर दिन बस संगीत का अध्ययन करता था – संगीत लिखता था, बजाता था और सीखता था. बहुत से लोगों का मानना है कि बाख का संगीत दुनिया में बेमिसाल है। आज संगीत के युवा विद्यार्थी – बाख के बच्चों की ही तरह, एना मगदलेना की पुस्तक से संगीत सीख सकते हैं.

जेयानेट विंटर ने बहुत प्रेम से बाख के जीवन पर एक सुन्दर किताब लिखी है. इस पुस्तक को छोटे बच्चे भी आसानी से समझ सकेंगे.

He heard one melody for the violin, one for the trumpet, one for the flute, and one for the oboe.

Each instrument had its own voice.

And when all the voices sounded at the same time, it was like good friends talking together.

A LONG TIME AGO, a boy named Sebastian was born into a family of musicians. When he grew older, he went to school to learn more about music. He heard music everywhere, especially in his own head, and he wrote down what he heard.

Sebastian married and raised a family. He had twenty children. He wrote more than one thousand pieces of music. And he created a little book of music especially for his wife, Anna Magdalena, so that in the evenings the whole family could make music together.

In his lifetime, Johann Sebastian Bach never traveled very far from his home. He worked every day at the craft of music—composing, playing, teaching. Yet hundreds of years after his death, his music is heard and played all over the world. Many people think it is some of the most glorious music ever written. And today young students—like Bach’s own family—can learn to play the music from Anna Magdalena’s notebook.

In simple text and glowing paintings, Jeanette Winter creates a loving tribute to this great genius of the Baroque that even the youngest child will understand and enjoy.
The first Voyager spacecraft was launched in 1977. On the spacecraft there is a recording of sounds from Earth. Should the spacecraft encounter any life beyond our galaxy, the first sound that will be heard is the music of Johann Sebastian Bach.

पहला वायेजर (Voyager) अंतरिक्ष-यान 1977 में छोड़ा गया. इस अंतरिक्ष-यान में पृथ्वी पर बने संगीत के कुछ रिकार्ड्स रखे गए. इस अंतरिक्ष-यान का सम्बन्ध अगर अपनी आकाशगंगा के बाहर किसी अन्य विश्व के जीवन से होता तो वे सबसे पहले पृथ्वी का यह संगीत सुनते – जिसे रचा था

जोहान्न सेबेस्टियन बाख ने
In the days of castles and kings,
the birds listened
when Vitus Bach played his cittern.

वो ज़माना महल और राजाओं का था।
पर जब विटस बाख अपना वाद्ययंत्र (सिटर्न) बजाता था,
तब चिड़िये भी उसका संगीत सुनती थीं।
छल्लूस ने अपने बेटे हांस को, वायलिन बजाना सिखाया।
हांस ने अपने बेटे क्रिस्टोफर को, वायलिन बजाना सिखाया।
फिर क्रिस्टोफर ने अपने बेटे अम्ब्रोसियस को भी वायलिन बजाना सिखाया।

Vitus taught his son Hans to play the violin.
And Hans taught his son Christoph to play the violin.
Then Christoph taught his son Ambrosius to play the violin.
जब अम्ब्रोसियस का बेटा सेबेस्टियन पैदा हुआ
tो उसके आगमन की खुशी में चिड़ियाँ ने स्वागत गीत गाया.

And when Ambrosius’s son Sebastian was born,
the birds sang a welcome.
The musical Bachs came from far and wide to greet Sebastian.
Fiddles played, voices sang out.
The birds listened—
even the duke in the palace on the hill listened.

बाख के संगीतमय परिवार के लोग, बालक सेबस्टियन का अभिवादन करने
दूर-दूर से आए. तब सारंगी की धुन पर लोगों ने गाना गाया. चिड़ियों ने उनका
संगीत सुना. महल में राजा ने भी संगीत सुना.
Ambrosius taught his son Sebastian to play the violin. All the Bachs played music.
नौ साल की उम्र में सेबेस्टियन के जीवन से संगीत अचानक लुप्त हो गया।
पहले उसकी माँ, और बाद में पिता का देहांत हुआ। सेबेस्टियन अनाथ हो गया।
तब उसे अपने भाई - क्रिस्टोफर के साथ जाकर रहना पड़ा।
अब चिड़ियों का संगीत भी सेबेस्टियन को खुश नहीं कर पाया।

When Sebastian was nine, the music stopped.
First his mama, then his papa, died.
Sebastian was an orphan.
He went off to live with his older brother, Christoph.
Even the birds' songs could not cheer Sebastian.

When Sebastian was nine, the music stopped.
First his mama, then his papa, died.
Sebastian was an orphan.
He went off to live with his older brother, Christoph.
Even the birds' songs could not cheer Sebastian.
But when Christoph taught his little brother to play the clavichord, the music sounded again.

जब उसके भाई क्रिस्टोफर ने उसे क्लावीकोर्ड नाम का वाद्ययंत्र बजाना सिखाया,
तब सेबेस्टियन का जीवन, दुबारा संगीत से भरा.
सेबेिछग्लृहडशशटयन, सुबह से शाम तक संगीत का अभ्यास करता था।
रात को चाँद की रोशनी में वो अगले दिन के अभ्यास के लिए संगीत लिखता।
संगीत सीखने का, वो एक बहुत अच्छा तरीका था।
सेबेस्टियन संगीत के बारे में सबकुछ सीखना चाहता था।

Sebastian practiced from morning till night.
By moonlight, he copied music
to play the next day.
It was a good way to learn,
and he wanted to learn everything.
So when Sebastian was fifteen, he set off for boarding school—on foot—two hundred miles away.

इसलिए जब सेबेस्टियन पंद्रह साल कर हुआ,
तो उसे 200 मील दूर, बोर्डिंग स्कूल में पढ़ने के लिए भेज दिया गया.
सेबेस्टियन को यह यात्रा पैदल ही तय करनी पड़ी.
सेबेस्टियन को यह दूरी तय करने के लिए बहुत चलना पड़ा।
वो रात को कहीं पुआल के ढेर पर सो जाता था।
शाम को वो सरायों और शराबखानों में वायलिन बजाता था।
तारों की रोशनी में वो संगीत का अभ्यास करता था।

Sebastian walked and walked and walked.
He slept in haylofts,
played for pennies in taverns,
and played for himself in the starlight.
छल्लूँह भले मछले सेबेिछलन ने, ऑगछन नाम का वाद्ययंत्र बजाना सीखा।
शुछ से ही यह वाद्ययंत्र, सेबेिछलन को बेहद पसंद आया।
वो पैरो से उसके पेडल और उँगलियाँ से उसका स्वर-पटल (की-बोर्ड) बजाता था।
ऑगन की नलियाँ (पाइप्स) से निकलता जोरदार संगीत उसे बहुत पसंद आता था।

Away at school, Sebastian learned to play the organ.
From the start, Sebastian loved this instrument—
his feet playing the pedals, his hands on the keyboard,
pulling the stops, and above all—
the mighty sound that roared from the pipes.
ऑर्गन बजाने वाले संगीतज्ञों को सुनने के लिए सेबस्टियन मीलों पैदल चलता था. वो एक चर्च से दूसरे चर्च की यात्रा करता – ऑर्गन से निकलने वाले सुर हमेशा उसके कानों में गूंजते रहते.
सेबेस्टियन ने स्कूल में क्या-क्या सीखा – ऑर्गन, वायलिन, हर्प्सिकर्ड और समूह गान सीखा. एक दिन सेबेस्टियन ने (नकली बाल) विंग पहनी. उन दिनों बहुत से युवा लोग यही करते थे. फिर उसने स्कूल छोड़कर बाहर की दुनिया में प्रवेश किया.
From one church to another, 
from one palace to another, 
Sebastian played music—
but now it was his own music.

सेबेस्टियन एक चर्च से दूसरे चर्च में जाता और 
एक महल से दूसरे महल में जाकर संगीत बजाता. 
अब वो संगीत, सेबेस्टियन खुद रचाता था.
Sebastian heard the music in his head.
The melodies came fast—as his pen raced over the page, he rarely changed a note.

सेबेस्टियन उस संगीत को पहले अपने दिमाग में सुनता. वो उनकी धुनें बहुत तेज़ी से रचता, और संगीत के सुरों को कागज़ पर फुर्ती से लिखता था. एक बार लिखे सुरों को वो बहुत कम ही बदलता था.
He heard one melody for the violin, 
one for the trumpet, 
one for the flute, 
and one for the oboe.

उसे कानों में वायलिन की एक धुन 
ट्रंपेट के लिए दूसरी धुन 
बांसुरी के लिए तीसरी धुन 
और ओबे (वाद्ययंत्र) के लिए चौथी धुन सुनाई पड़ती थी.
Each instrument had its own voice.
And when all the voices sounded at the same time,
it was like good friends talking together.

हरेक वाद्ययंत्र की अपनी अलग ही आवाज थी.
और जब सब वाद्ययंत्र एक-साथ बजते,
तो ऐसा लगता था जैसे बहुत सारे दोस्त
आपस में बातें कर रहे हों.
बांसुरी की आवाज़ पर वो अपना सर हिलाता, ट्रम्पेट की आवाज़ पर पांव चलाता और वायलिन के लिए अपनी उंगली उठाता. इस तरह वो अलग-अलग वाद्ययंत्रों को एक-साथ बजाता था. साथ-साथ उसका अपना संगीत भी चालू रहता था. जो संगीत उसे अपने सर में सुनाई देता उसे वो बाहर भी प्रत्यक्ष अनुभव कर पाता था.

Sebastian nodded to the flute, tapped his foot to the trumpet, lifted a finger to the violin— helping the instruments play together, all the while playing his own part, too. The music he heard in his head came to life all around him.
Sebastian played his music
for princes and dukes in their palaces.
But sometimes it was a hard life.

वैसे सेबेस्टियन अपना संगीत
महलों में राजकुमारों और नवाबों को सुनाता था.
पर कभी-कभी उसे भी जीवन चलाना कठिन होता था.
एक बार नवाब ने सेबिस्टियन को, महीने भर के लिए जेल की कोठरी में बंद कर दिया। कारण? सेबिस्टियन ने नौकरी बदलने की मंजूरी नहीं ली थी। (उस समय के शासक यही करते थे।) सेबिस्टियन, जेल की कोठरी में बैठे-बैठे अपना ही संगीत सुनता रहा और उसे लिखता रहा।

Once, a duke locked Sebastian in a jail cell for one long month— because he had not asked permission to change jobs. (Rulers did that in those days.) Even as Sebastian sat behind bars, he heard his own music, and wrote it down.
The years passed.
Sebastian became a loving husband to Anna Magdalena,
and a proud papa—of twenty children!

इस तरह बहुत साल गुज़र गए.
सेबेस्टियन, अपनी पत्नी एना मगदलेना से बहुत प्रेम करता था.
वो बीस बच्चों का पिता भी था!
More and more wagons and carriages were needed to move the Bach family from town to town. Finally the growing family settled down behind the walls of the city of Leipzig.

अब एक शहर से दूसरे शहर जाने के लिए बाख परिवार को कई गाड़ियों की जरूरत पड़ती थी.

इसलिए अंत में बाख परिवार ने, लिपजिंग शहर की दीवार के पीछे अपना घर बनाने का निश्चय किया.
The Bachs lived in a big house 
close by the big church 
where Sebastian was music director.

बाख परिवार, एक बड़े घर में रहता था 
घर एक बड़े चर्च के पास स्थित था. 
और सेबस्टियन, इस चर्च में संगीत निदेशक था.
The Bachs shared the big house with students at the church school where Sebastian was choirmaster.

बाख परिवार के बड़े घर में, कई छात्र भी रहते थे। यह छात्र चर्च के स्कूल में ही पढ़ते थे। सेबेस्टियन उस स्कूल में संगीत का टीचर था।
Sebastian worked hard to provide for his family.  
His days were spent teaching 
unruly boys their music and Latin,  
and his nights composing music 
for the Sunday services—five hours long!

सेबेस्टियन को परिवार पालने के लिए बहुत मेहनत करनी पड़ती थी.  
वो दिन में शरारती लड़कों को, संगीत और लैटिन विषय सिखाता था.  
रात को वो चर्च की सन्दे-सर्विस के लिए संगीत की धुनें रचता था.  
चर्च में सन्दे की प्रार्थना, पूरे पांच घंटे चलती थी!
हरेक सन्डे की सुबह को चर्च, सेबेस्टियन के संगीत से गूंजता था। 
सेबेस्टियन के गुस्से के बावजूद, संगीत बजानेवाले लड़के लम्बी प्रार्थना 
के दौरान शरारत करने से बाज़ नहीं आते थे!
The Bach house was as busy as a beehive.
There were instruments everywhere!—
under tables, on top of chairs—
with hardly a place for a visitor to sit down.

बाख परिवार हमेशा बहुत व्यस्त रहता था.
घर के हर कोने में वाद्ययंत्र रखे रहते थे - मेजों के नीचे, कुर्सियों के ऊपर. उससे मेहमानों के बैठने की जगह नहीं बचती थी.
एना मगदलेना को सेबेस्टियन द्वारा लिखी संगीत पुस्तक से बहुत प्रेम था। उसमें संगीत के आलावा कवितायें भी थीं। रात को खाने के बटन धुलने के बाद, पूरा परिवार मिलकर एना की पुस्तक में से सामूहिक संगीत रचता था।
जब आसमान में चाँद ऊपर चढ़ता और सब बच्चे सो जाते,
तब सेबेस्टियन का दिमाग नए संगीत से भरता.
वो सारी रात उस संगीत को दर्ज करता और लिखता.
अंत में मोमबत्तियां बुझ जातीं, और सुबह का सूरज बाहर निकलता.
Before the city was awake,
Sebastian went to the organ and played his new music.
His hands and feet flew over the keys and pedals.
The music filled the church like thunder.
Angels listened.

Before the city was awake,
Sebastian went to the organ and played his new music.
His hands and feet flew over the keys and pedals.
The music filled the church like thunder.
Angels listened.

Before the city was awake,
Sebastian went to the organ and played his new music.
His hands and feet flew over the keys and pedals.
The music filled the church like thunder.
Angels listened.
And kings and queens listened.

राजा और रानी उसका संगीत सुनते.
Sebastian’s music echoed in the streets of Leipzig.

सेबस्टियन का संगीत, लिपिजिंग की सड़कों पर गूंजता था.
As Sebastian grew old, the light faded from his eyes, until he could not see. But still the music kept coming. He composed one last piece as he took his final breath.

जैसे-जैसे सेबस्टियन बूढ़ा हुआ उसकी आँखों की रोशनी जाती रही, अंत में वो कुछ भी देख नहीं सकता था. पर फिर भी उसे दिमाग में, संगीत सुनाई देता रहा. उसने आखरी सांस लेने से पहले एक “अंतिम” संगीत रचा.
Now Sebastian sings in the choir of angels. And listens as his music fills the world—across the mountains and valleys and oceans,

अब सेबस्टियन परियों की टोली में अपना संगीत बजाता है. उसका संगीत पूरी पृथ्वी पर गूँजता है — पहाड़ों, वादियों, समंदर में, और वो आसमान में बैठे-बैठे उसे सुनता है.
and into the heavens,

उसका संगीत गूंजता है स्वर्ग-लोक में,
and maybe even far out beyond the farthest star.

शायद उसका संगीत दूर स्थित सितारों के परे भी सुनाई पड़ता है.
Johann Sebastian Bach

was born in Eisenach, Germany, in 1685. He lived and worked in Germany all his life, never traveling more than two hundred miles from his home. Bach was such a prolific composer that were someone to copy by hand all his compositions—over one thousand—it would take that person forty years to complete the task.

Bach died in Leipzig, Germany, in 1750.

जोहान्न सेबेस्टियान बाख

का जन्म 1685 में, एइसेनाच, जर्मनी में हुआ।

वो सारी जिन्दगी जर्मनी में ही रहा और वह उसने काम किया।

वो अपने घर से 200-मील से ज्यादा दूर, कभी नहीं गया।

बाख का संगीत में योगदान इतना अधिक है कि अगर कोई उसके संगीत को अपने हाथ से दुबारा लिखे, तो उसे कम-से-कम 40 साल लगेंगे।

1750 में, लिपजिंग, जर्मनी में उसका देहांत हुआ।